

4455

8

(xiv) रंगद्वार

(Ranga-dwara)

(xv) स्वगत सेवाद

(Swagata communication)

(xvi) अर्थप्रकृति

(Arthaprakriti)

(xvii) विदूषक

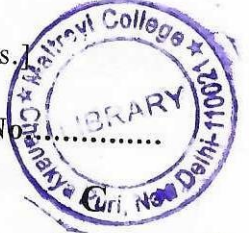
(Vidooshaka)

(1000)

[This question paper contains 8 printed pages.]

21 DEC 2022

Your Roll No.



Sr. No. of Question Paper : 4455

Unique Paper Code : 12133901

21 DEC 2022

Name of the Paper : Acting & Script Writing

Name of the Course : B.A. (Hon.) SEC, LOCF

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory. Attempt question no. 4 in Sanskrit Language only.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न संख्या 4 का उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है।

भाग क (Part A)

1. लोकधर्मी तथा नाट्यधर्मी अभिनय के मध्य के अन्तर स्पष्ट कीजिए।
(10)

Explain the difference between Lokadharmi and Natyadharmi act.

अथवा / OR

संवाद से आप क्या समझते हैं? नाटक में प्रयोज्य संवाद के सभी प्रकारों का वर्णन कीजिए।

What do you understand by dialogue? Describe all types of communication of Drama.

2. कथावस्तु की परिभाषा देते हुए आधिकारिक और प्रासंगिक कथावस्तु का विस्तार से वर्णन कीजिए।
(10)

(vii) नट

(Actor)

(viii) विरूपभूमिका

(Viroopa role)

(ix) आकाशभाषितम्

(Akasha-bhashita)

(x) पटकथा

(Script Writing)

(xi) आविद्धनास्य

(Abiddha natya)

(xii) नाट्यशास्त्र में नर्तक

(Dancer in Natyashastra)

(xiii) जनान्तिकम्

(Janantika)

6. निम्नलिखित में से किन्हीं तेरह प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिए :-
(13×1=13)

Write short answer of any **Thirteen** of the following :

- (i) नाट्यशास्त्र के रचयिता
(Writer of Natyashastra)
- (ii) नाट्यप्रयोक्तागण के सदस्यों के नाम
(Name the members of the theatrical group)
- (iii) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक का विदूषक
(Jester of the Abhigyanashakuntala)
- (iv) अर्थपक्षेपकों के नाम
(Name of Interludes)
- (v) सर्वश्राव्य संवाद
(Aloud communication)
- (vi) सूत्रधार
(Stage Director)

Giving the definition of the dramatical plot, describe the Principal and Subsidiary Plot in detail.

अथवा / OR

नाटक में समय, स्थान और कार्य, का महत्त्व विस्तारपूर्वक निरूपित कीजिए ।

Elaborate the importance of time, place, and action in drama.

3. अभिनय के प्रकारों को सटीक उदाहरणों से स्पष्ट करें । (10)

Explain the types of acting with accurate examples.

अथवा / OR

अभिज्ञानशाकुन्तल नाटक के प्रसंग में पूर्वरंग और प्रस्तावना पर विस्तृत निबन्ध लिखें ।

Write a detail note on purvanga and Prastavana in the context of Abhigyanashakuntala.

4. निम्नलिखित प्रश्न का संस्कृत-भाषा में उत्तर दीजिए : (7)

Answer the following question in Sanskrit Language :

नाटक के लिए भूमिका-निर्धारण के सामान्य नियमों का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

Explain in detail the general rules for assigning the role of a play.

अथवा / OR

नाट्यप्रयोक्ताओं की आवश्यकता और महत्त्व पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए ।

Write a concise essay on the need and importance of the member of theatrical group.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लघु निबन्ध लिखिए : (5×5=25)

Write short notes on any Five of the following :

- (i) विदग्ध अभिनेता
(Learned actor)

- (ii) विष्कम्भक

(Vishkambhak)

- (iii) अभिज्ञानशाकुन्तल का सूत्रधार

(Sutradhara of Abhigyanashakuntalam)

- (iv) कुशीलव

(Musicians)

- (v) नान्दी

(Nandi)

- (vi) कुशल अभिनेता

(Skillful actor)

- (vii) अपवारितम्

(Confidential communication)

- (viii) नाट्यकार

(Playwrighter)